केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

श्री रघुनाथ कीर्ति परिसर

<u>देवप्रयाग उत्तराखंड</u>

दिनांक- 10/03/2023

आज दिनांक 10/03/2023 को परिसर में 'अंतर्राष्ट्रीय योग केंद्र' योजना के अनुरूप विभिन्न देशों से आये हुए नागरिकों का श्री कुलदीप जंघेला (योग प्रशिक्षक हांगकांग देश) के प्रतिनिधिव में शिष्टमंडल का आगमन हुआ, इस शिष्टमंडल में हांगकांग,डचदेश,दक्षिणकोरिया,सिंगापुर देशों के नागरिक शामिल हुए, जिनके नाम निम्नलिखित हैं.

1. जेनी हो (हांगकांग)
2. जेसिका ली (हांगकांग)
3. ग्रेस चन (हांगकांग)
4. एलिअने चुंग (हांगकांग)
5. सिंडी वोंग (डच देश)
6. हेनरी मा (हांगकांग)
7. समंथा वोंग (हांगकांग)
8. लेने लिएव (सिंगापुर)
9. एंजेला ली (हांगकांग)
10. जेसिका लैम (हांगकांग)

उपरोक्त नामित शिष्टमंडल द्वारा विभिन्न सुझाव दिए गए, जिसका सार रूप निम्नलिखित है|

1. पाठ्यक्रम का निर्माण लक्षित विदेशी छात्रों के अनुरूप किया जाए
2. लक्षित छात्रों से संवाद हेतु प्रणाली विकसित की जानी चाहिए
3. विदेश के संस्थानों व शिक्षण संस्थाओं के साथ गठजोड़ स्थापित किये जाने चाहिए
4. लक्षित छात्रों की आवश्यकतों को सर्वोपरि रखने की प्राथमिकता
5. विभिन माध्यमों से यह स्पष्ट किया जाए कि छात्र पाठ्यक्रम हेतु आपको क्यों प्राथमिकता दे
6. एक सुव्यस्थित व्यवस्था जो कि छात्रों के लिए सभी आवश्यकतों अनुरूप हो के निर्माण को प्राथमिकता
7. लक्षित छात्रों को अपनापन महसूस हो इस तथ्य पर सर्वसंभव प्रयास नितांत आवश्यक
8. प्रथमतया लघु समयावधि (3माह अधिकतम) ऑनलाइन माध्यम से कोर्स को प्रारम्भ किया जा सकता है.
9. विभिन्न दूरसंचार के माध्यमों को मजबूत करने की आवश्यकता
10. पाठ्यक्रम में सांस्कृतिक महत्व को स्पष्ट किये जाने की आवश्यकता
11. छात्रों की सुरक्षा की दृष्टी से मजबूत सुरक्षा तंत्र की आवश्यकता
12. छात्रों हेतु संस्था तक जुड़ने के लिए प्राथमिक शिक्षा एवम उसके आधार की व्याख्या स्पष्ट करने की आवश्यकता
13. छात्रों की मनोदशा पर आधारित क्रियाविधि की व्याख्या स्पष्ट हो और उसका क्रियान्वन किस तरह से हो यह भी स्पष्ट करने की आवश्यकता
14. बुनियादी सूचना पैकेज को स्पष्ट रूप से प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है

15. बुनियादी सूचना पैकेज में डाली गई सभी जानकारियों के अनुरूप ही छात्रों को सुविधाएं प्राप्त हों इसकी सुनिश्चिता अति आवश्यक है
16. पाठ्यक्रम के अतरिक्त सम्मिलित क्रियाविधियों का क्रियान्वन एवम उनका ब्योरा स्पष्ट अति आवश्यक हो.